विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -27 - 12- 2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज वर्तनी के बारे में अध्ययन करेंगे ।

वर्तनी

भारत एक अलग-अलग प्रांतीय देश है। विविध प्रांतों के लोग रहते हैं, जहाँ अलग-अलग प्रकार की भाषाओं और बोलियों का प्रयोग किया जाता है, जिसका उच्चारण भी क्षेत्रीयता के प्रभाव के कारण अलग-अलग होता है। इससे बचने के लिए उच्चारण में सावधानी बरतना आवश्यक है। वर्तनी की सामान्य अशुधियाँ और उसका निराकरण।

स्वर की अशुधियाँ

अशुद्ध	**शुद्ध**
पुज्य	पूज्य
नोकरी	नौकरी
परिक्षा	परीक्षा
मिग्र	मृग
अधीन	आधीन

अगामी	आगामी
हानी	हानि
ओरत	औरत
रिण	ऋण
अहार	आहार
क्षत्रीय	क्षत्रिय
मधू	मधु
पत्नि	पत्नी
बरात	बारात
ऐकता	एकता
रितु	ऋतु
देहिक	दैहिक

2. अनुस्वार और अनुनासिक की अशुधियाँ

अशुद्ध	**शुद्ध**

गुंगा	गूँगा
सँवरना	सँवारना
हंसना	हँसना
वहा	वहाँ
चांदी	चाँदी
अँधा	अंधा
दांत	दाँत
गंवार	गँवार
कँचन	कंचन
अंधेरा	अँधेरा